# उधवा झील

## चर्चा में क्यों?

[रामसर अभिसमय]() ने भारत में चार नए [आर्द्रभूमियों]() को मान्यता प्रदान की है, जिससे **देश** में ऐसे नामित स्थलों की **कुल संख्या बढ़कर 89 हो गई है।**

## मुख्य बिंदु

- **रामसर सूची में नए नाम शामिल:**
  - सक्कराकोट्टई पक्षी अभयारण्य (तमिलनाडु)
  - थेरथंगल/ तीर्थंगल/ Therthangal पक्षी अभयारण्य (तमिलनाडु)
  - खेचेओपलरी वेटलैंड (सिक्किम)
  - उधवा झील (झारखंड)
- **राज्यवार वितरण:**
  - **तमिलनाडु में भारत में सबसे अधिक रामसर स्थल हैं,** जहाँ 20 आर्द्रभूमियाँ हैं।
  - **सिक्किम और झारखंड** अपने नए पदनाम के साथ **पहली बार रामसर सूची में शामिल हुए हैं।**
- **भारत की वैश्विक रैंकिंग:**
  - भारत में **एशिया में सबसे अधिक रामसर स्थल हैं** और **विश्व स्तर पर इसका स्थान तीसरा है:**
    - **यूनाइटेड किंगडम** (176 स्थल/ साइट्स)
    - **मेक्सिको** (144 स्थल/ साइट्स)
    - पिछले दशक में, भारत के रामसर स्थलों की संख्या 26 से बढ़कर 89 हो गई तथा मात्र तीन वर्षों में 47 स्थल इसमें जोड़े गए।
- **आर्द्रभूमि का महत्त्व:**
  - आर्द्रभूमि ऐसे क्षेत्र होते हैं जो अस्थायी, मौसमी या स्थायी रूप से जल से आवृत रहते हैं।
  - वे महत्त्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएँ प्रदान करते हैं, जिनमें शामिल हैं:
    - [बाढ़ नियंत्रण]()
    - जलापूर्ति
    - [जैव विविधिता]() समर्थन
    - भोजन, फाइबर और कच्चे माल के स्रोत
- **उधवा झील:**
  - **स्थान:**
    - **यह झारखंड के साहेबगंज ज़िले** में स्थित है।
    - यह **उधवा नामक एक छोटे से गाँव में स्थित है, जिसका नाम [महाभारत]() में भगवान कृष्ण के मित्र संत उद्धव** के नाम पर रखा गया है।
    - यह झारखंड की **पहली रामसर सूचीबद्ध आर्द्रभूमि** है।
- **स्थापना:**
  - **वर्ष 1991** में इस अभयारण्य की स्थापना **इस क्षेत्र में पाई जाने वाली विविध पक्षी प्रजातियों की सुरक्षा और संरक्षण के लिये की गई थी।**
  - **झारखंड में एकमात्र पक्षी अभयारण्य** के रूप में नामित यह **अभयारण्य क्षेत्र की प्राकृतिक विरासत और जैव विविधता को संरक्षित करने** में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- **नदियाँ:**
  - अभयारण्य में **दो जल निकाय हैं- पटौरन और बरहेल,** जो एक जल चैनल द्वारा आपस में जुड़े हुए हैं। पटौरन तुलनात्मक रूप से एक स्वच्छ जल निकाय है।

### रामसर अभिसमय

- **रामसर अभिसमय एक अंतर्राष्ट्रीय संधि है जिस पर वर्ष 1971 में ईरान के रामसर में [UNESCO]()** के तत्वावधान में हस्ताक्षर किये गये थे, जिसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की आर्द्रभूमियों का संरक्षण करना है।

- भारत में यह **अधिनियम 1 फरवरी, 1982 को लागू हुआ,** जिसके तहत अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की आर्द्रभूमियों को रामसर स्थल घोषित किया गया।
- **मॉन्ट्रेक्स रिकॉर्ड** अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व के **उन आर्द्रभूमि स्थलों** का रजिस्टर है, जहाँ तकनीकी विकास, प्रदूषण या अन्य मानवीय हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप **पारिस्थितिक चरित्र में परिवर्तन हुए हैं, हो रहे हैं या होने की संभावना है।**
- इसे **रामसर सूची के भाग के रूप में रखा गया है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/udhwa-lake